आज की मुरली का सार ------ Date: 12-5-2014

बाबा ने कहा, तुम्हें इस दुखधाम को जीते जी तलाक देना चाहिए. क्योंकि तुम्हें अब सुखधाम में जाना हैं.

बाबा ने आज पुरी मुरली में नर्क और स्वर्ग का कोनट्रास्ट बताया हैं, जैसे की बाबा हम बच्चों को अनुभव कराना चाहते हैं, हम सतयुग में हम कितना सुखी थे और ये अनुभव से हमारी आत्मा खुशी से नाच उठे. लेकिन ये अनुभव हमें तब हो जब की मुरली सुनते समय, हम खुद को आत्मा समझ कर, अन्तरमुखि अवस्था में, स्वयं भगवान से मुरली सून रही हूं और बाबा मुझे ही हर बात कह रहा हैं और हर बात स्वयं में चेक कर धारण करते चले तो अवश्य हमें सतयुग के नजारे अनुभव में आयेंगे. इस के लिए मुरली सुनानेवाले भी, स्वयं को भगवान की मुरली सुनाने निमित समझ कर, मुरली सुनावे ये बहुत जरूरी हैं.

बाबा ने नर्क और स्वर्ग के बारे में जो भी बातें आज की मुरली में कही सब नीचे मुझब हैं.

ब्राह्मण ही देवता बनेंगे.
बाबा नर्कवासियों को स्वर्गवासी बनाते हैं.
इस समय हैं रावण राज्य, सतयुग में हैं रामराज्य.
पत्थरबुद्धि से पारसबुद्धि बनाते हैं.
यहॉ मकान भी 50 मंजिल, 100 मंजिल के बनाते हैं, सतयुग महल होंगे वो भी बिना मंजिल के.
यहॉ तो जमीन का भाव कितना हैं, वहाँ जमीन का कोई भाव नहीं, जिसको जितनी जमीन चाहिये ले सकते हैं.
यहॉ मनुष्य मकानों में कितने पैसे आदी लगाते हैं, वहॉ अथाह धन रहता हैं, सोने, हीरे, मोतियों के महल आदि बना देते हैं.
यहॉ हैं बेसमझ तमो बुद्धि, वहॉ हैं समझदार सतो बुद्धि.
तमोगुणी बुद्धि नर्क के मालिक, सतोप्रधान बुद्धि स्वर्ग के मालिक.
यहॉ बहुत दुखी हैं इसलिए पुकारते हैं भगवान को, स्वर्ग में भगवान को भूल जाते हैं.
यहॉ मनुष्य एकता के लिए कितना माथा मारते हैं फिर भी एक नहीं होते. सतयुग में एक राज्य, एक भाषा, एक धर्म, सब एक हैं.
बेगर टु प्रिन्स. यहॉ हैं बेगर, सतयुग में हैं प्रिन्स.
यहॉ हैं मनुष्य कोड़ी (पतित) जैसे, सतयुग में हैं हीरे (पावन) जैसे.
यहॉ मकान या मन्दिर बनाने में 12 मास लगते हैं, वहाँ सतयुग में झट से महल बनाते हैं. वहाँ इन्जीनियर आदि होशियार होते हैं.
अब हैं भारत का पतन, सतयुग में होगा भारत का उत्थान.
यहॉ हैं मनुष्य सावरे, सतयुग में होंगे गोरे.

ॐ शांति.